Resources Personnel Working in Visakhapatnam Steel Plant

3944. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Resource Personnel Working in Visakhapatnam Steel Plant were sent out arbitrarily on 8th August, 1992 by old orders; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Visakhapatnam Steel Plant had engaged Resources Personnel through Shramik Vidyapeeth for conducting classes of Junior and Senior Trainees in Hindi, English, Social Studies and Science and the plant had been making payments to Shramik Vidyapeeth for the services rendered by these resource persons. The Shramik Vidyapeeth was informed in June, 1992 that Visakhapatnam Steel Plant would not require the services of the resource persons beyond 17th July, 1992. On a request of the Driector, Shramik Vidyapeeth, Visakhapatnam Steel Plant agreed to retain the resource persons for a further period of 3 months. However, when the Shramik Vidyapeeth was asked to raise necessary bills towards the services of the resource persons, the Director, Shramik Vidyapeeth informed Visakhapatnam Steel Plant in September, 1992 that the resoruce persons were not engaged by the Shramik Vidyapeeth beyond 17th July, 1992. Accordingly, the resource persons were verbally informed of the decision of the Shramik Vidyapeeth and their engagement was discontinued after 16th September, 1992. VSP has remitted the required amount towards payment for the services rendered by resource persons in VSP for the period from 18th July, 1992 to 16th September, 1992 to the Shramik Vidyapeeth, who, however, refused to accept the payment.

राजहारा आयरन और माइन्स में कर्मकारों की भर्ती

3945. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के अधीन राजहारा आयरन ओर माइन्स में 1972-73 के दौरान लगभग तीन हजार पुरुष तथा महिला कामगारों की विभागीय उजरती कामगारों (पीस रेट) के रूप में नियुक्ति की गई थी; और

(ख) क्या लगभग सात सौ महिला कामगारों को छोड़कर सभी कामगारों की स्थायी कर दिया गया है; यदि हां, तो महिला कामगारों के साथ भेद-भाव किए जाने के क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) जी, हां। वर्ष 1972-73 के दौरान अरीडोंगरी, महामाया तथा राजहारा खानों में भिलाई इस्पात संयंत्र की लौह अयस्क खान समूह में लगे 3374 ठेका श्रमिकों का उजरती कामगारों के रूप में विभागीयकरण किया गया था।

(ख) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अनुसार 3374 कामगारों में से 1552 कामगारों को अब तक स्थायी कर दिया गया है और 1287 कामगारों को विभिन्न कारणों पर कम्पनी से छांट दिया गया। 535 महिला कामगारों को प्रचालन के कुछ जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की नियुक्ति पर लगे प्रतिबन्धों के कारण स्थायी नहीं किया गया है।

Foreign Projects Bagged by SAIL

3946. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Steel Authority of India Plans to go global with its expertise and has bagged projects abroad to fetch foreign exchange worth millions of Rupees; and

(b) if so, what are the details of the projects bagged?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Yes, Sir.

(b) SAIL is expanding and diversifying its activities in the International market by capitalising on its special technical and professional expertise, based on over 30 years of experience in the field of iron and steel making. With this in view, exports of Projects and Services in the following areas have been envisaged:

— Projects and Engineering Services
— Technical and management Services
— Technology and know-how Services
— Human Resource Development.

Recently an agreement was signed for a project for rehabilitation of a steel making unit in Manila, Philippines.

Retrenchment in HSCL

3947. SHRI SUNIL BASU RAY: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the possibility of massive retrenchment by Hindustan Steel Works Construction Limited; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

डाली राजहारा आयरन ओर माइन्स

3948. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की डाली आयरन ओर माइन्स तीन साल बाद भिलाई इस्पात संयंत्र की आवश्यकता को पूरा नहीं कर पायेगा;

(ख) क्या रावघाट खानों में काफी मात्रा में लौह अयस्क के भंडार मिले हैं; और

(ग) क्या पर्यावरण विभाग ने रावघाट के विकास को दो साल से रोक रखा है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) भिलाई इस्पात संयंत्र की संपूर्ण आवश्यकता वर्ष 1996-97 से दल्ली राजहारा लौह अयस्क की खानों से पूरी नहीं हो पाएगी।

(ख) जी, हां।

(ग) पर्यावरण विभाग ने 'सेल' को सलाह दी है कि वह रावघाट क्षेत्र में विस्तृत बायो-विविधिकरण अध्ययन कार्य करें।

विजयनगर स्टील लिमिटेड की स्थापना

3949. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विजयनगर स्टील लिमिटेड की स्थापना कब हुई थी और इसके वार्षिक खर्च का ब्यौरा क्या है; और

(ख) विजयनगर स्टील लिमिटेड का विश्वेश्वरैया भद्रावती स्टील प्लांट के साथ समामेलन करने में सरकार को क्या आपत्ति है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) विजयनगर स्टील लिमिटेड वर्ष 1982 में पंजीकृत की गई थी तथा इसका औसत वार्षिक व्यय लगभग 40-45 लाख रुपए है।

(ख) विजयनगर स्टील लिमिटेड का विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, भद्रावती में विलय करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

फेयरो स्क्रैप निगम

3950. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भिलाई में फेयरो स्क्रैप निगम की सुरक्षा के लिए सत्रह डौग हैंडलर की नियुक्ति की जा रही है, और इस प्रयोजन के लिए 100 कुत्ते भी रखे जाएंगे;

(ख) क्या यह भी सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के हजारों जवान लगे हुए हैं; और

(ग) क्या फेरयो स्क्रैप निगम को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सेवाओं पर विश्वास नहीं है और इसका ब्यौरा क्या है?